चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 06 जुलाई 2026, अंक –303.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

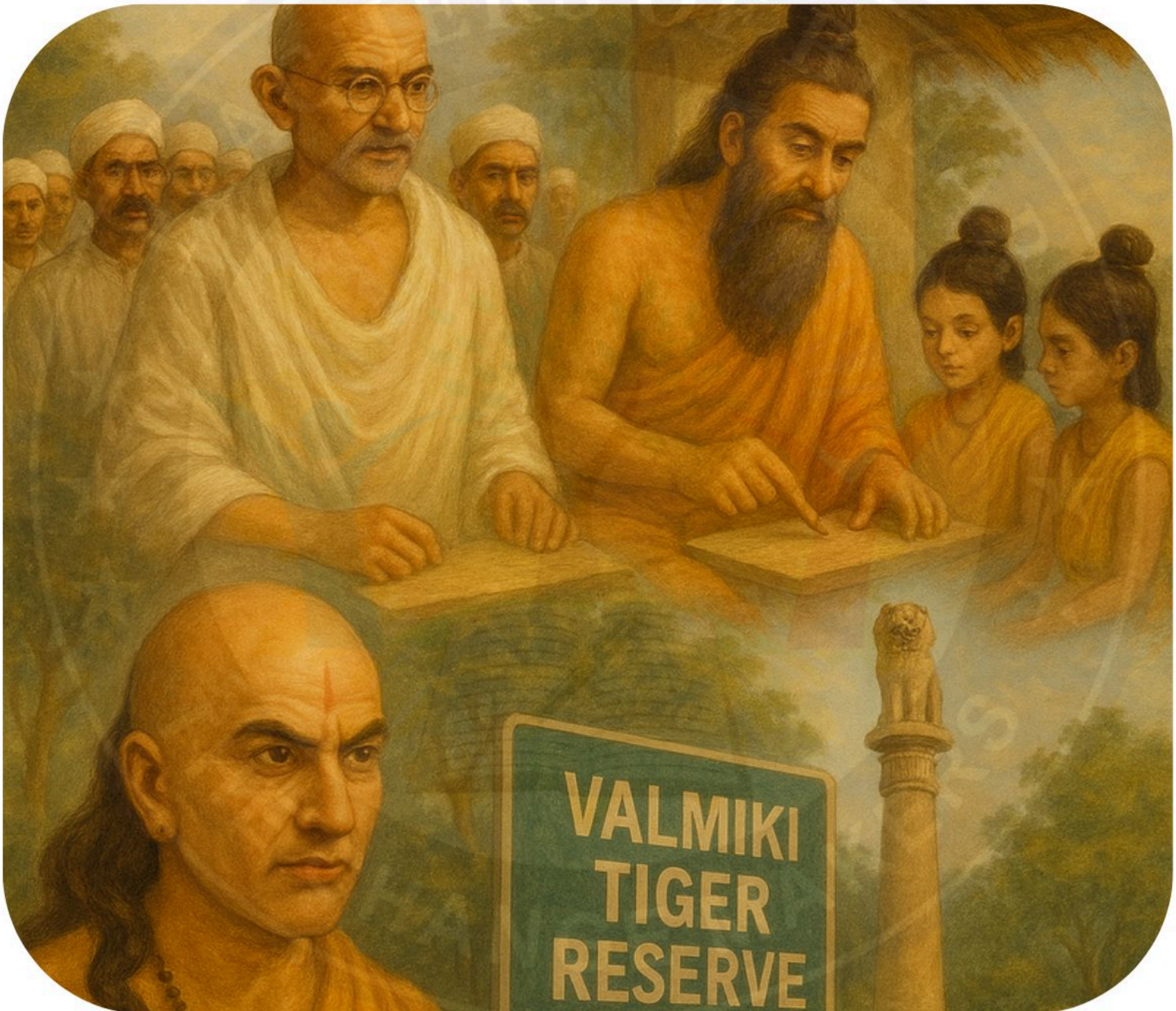

"असफलता यह सिद्ध करती है कि सफलता का प्रयास पूरे मन से नहीं हुआ।"

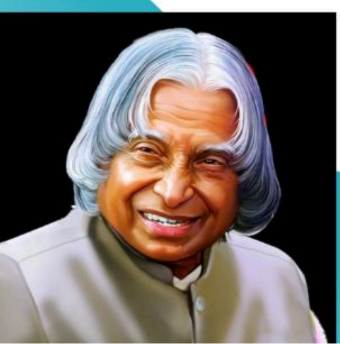

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Monday Prayer

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

सदा हमारे सिर पर तेरा हाथ रहे,
हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे,
हां, हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे;
खुशियों का हो जीवन में आयाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मिलकर इस धरती को चमन बनाएं हम,
गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम।
हां, गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम;
यही हमारा हो हरदम पैगाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मात-पिता की सेवा और सम्मान करें,
उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
हां, उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
अच्छे कर्म का अच्छा परिणाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
हाँ, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
तुम्ही से है आगाज़ तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
हाँ, इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्ही से शाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

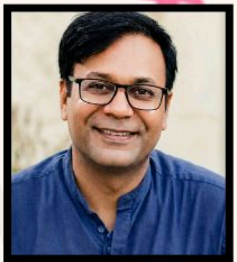

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह —
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. ऑस्ट्रेलिया की राजधानी क्या है?
उत्तर: कैनबरा
प्रश्न 2. भारत के पहले भारतीय गवर्नर-जनरल कौन थे?
उत्तर: सी. राजगोपालाचारी
प्रश्न 3. 'घूमर' किस राज्य का प्रसिद्ध लोकनृत्य है?
उत्तर: राजस्थान
प्रश्न 4. XL किस संख्या का रोमन अंक है?
उत्तर: 40
प्रश्न 5. बिहार के किस जिले में प्रसिद्ध मुंडेश्वरी देवी मंदिर स्थित है?
उत्तर: कैमूर
प्रश्न 6. हेमिस राष्ट्रीय उद्यान किस केंद्र शासित प्रदेश में स्थित है?
उत्तर: लद्दाख
प्रश्न 7. बारकोड (Barcode) का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: नॉर्मन वुडलैंड
प्रश्न 8. भारतीय संविधान के अनुसार मतदान करने की न्यूनतम आयु कितनी है?
उत्तर: 18 वर्ष
प्रश्न 9. 'कमल' का एक पर्यायवाची शब्द बताइए।
उत्तर: पंकज
प्रश्न 10. जल का रासायनिक सूत्र क्या है?
उत्तर: H_2O

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Gold – (गोल्ड) – सोना
Silver – (सिल्वर) – चाँदी
Iron – (आयरन) – लोहा
Copper – (कॉपर) – ताँबा
Steel – (स्टील) – इस्पात
Plastic – (प्लास्टिक) – प्लास्टिक
Glass – (ग्लास) – काँच

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "क्या हम ... सकते/सकती हैं?" (Can we ...?)

क्या हम पढ़ सकते हैं? – Can we read?
क्या हम लिख सकते हैं? – Can we write?
क्या हम खेल सकते हैं? – Can we play?
क्या हम गा सकते हैं? – Can we sing?
क्या हम अंग्रेज़ी बोल सकते हैं? – Can we speak English?

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रत्येक वर्ष 6 जुलाई को "विश्व जूनोसिस दिवस" (World Zoonoses Day) मनाया जाता है — यह दिवस किस वैज्ञानिक द्वारा 6 जुलाई 1885 को किए गए पहले सफल टीकाकरण की स्मृति में मनाया जाता है?

उत्तर: लुई पाश्चर

व्याख्या: विश्व जूनोसिस दिवस, लुई पाश्चर के सम्मान में मनाया जाता है जिन्होंने 6 जुलाई 1885 को रेबीज नामक जूनोटिक (पशु से मानव में फैलने वाले) रोग का पहला सफल टीका एक बच्चे को लगाया था। (PW Live) जूनोटिक रोग वे रोग हैं जो पशुओं से मनुष्यों में फैलते हैं। WHO के अनुसार, मनुष्यों में 60% से अधिक ज्ञात संक्रामक रोग और 75% उभरते संक्रामक रोग जूनोटिक मूल के हैं। (ForumIAS) रेबीज, COVID-19, H5N1 (बर्ड फ्लू), निपाह, एबोला और ब्रुसेलोसिस प्रमुख जूनोटिक रोग हैं। भारत में "National One Health Programme for Prevention & Control of Zoonoses" इन रोगों की रोकथाम का प्रमुख कार्यक्रम है। लुई पाश्चर फ्रांसीसी सूक्ष्मजीवविज्ञानी थे जिन्होंने "पाश्चुरीकरण" (Pasteurisation) प्रक्रिया भी विकसित की।

संदर्भ: testbook.com World Zoonoses Day; drishtiias.com World Zoonosis Day;

प्र.2. स्काईरूट एयरोस्पेस (Skyroot Aerospace) ने 2 जुलाई 2026 को "विक्रम-1" (Vikram-1) के प्रक्षेपण की घोषणा की — यह भारत के अंतरिक्ष इतिहास में किस कारण से एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है?

उत्तर: प्रथम निजी कक्षीय रॉकेट

व्याख्या: स्काईरूट एयरोस्पेस ने 2 जुलाई 2026 को "विक्रम-1" के प्रथम परीक्षण उड़ान के लिए 12 जुलाई से 4 अगस्त 2026 की प्रक्षेपण विंडो की घोषणा की। इस मिशन का नाम "आगमन" (Agaman) है और यह भारत का पहला निजी कक्षीय रॉकेट प्रक्षेपण होगा। हैदराबाद स्थित इस कंपनी की स्थापना 2018 में पूर्व ISRO वैज्ञानिकों पवन कुमार चांदना और नागा भरत डाका ने की थी। (Business Standard) विक्रम-1 का प्रक्षेपण श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से होगा। इससे पूर्व विक्रम-एस का सफल सब-ऑर्बिटल उड़ान 18 नवंबर 2022 को हुई थी। (TechCrunch) विक्रम-1 पृथ्वी की निम्न कक्षा (LEO) में 350 किग्रा तक का पेलोड ले जाने में सक्षम है। यह IN-SPACe (Indian National Space Promotion & Authorisation Centre) के अंतर्गत भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के विकास का प्रतीक है।

संदर्भ: Business Standard & Bloomberg 2 July 2026 — Vikram-1 Launch Window;

प्र.3. "गीतांजलि" (Gitanjali) काव्य संग्रह के रचयिता कौन हैं, जिसके लिए उन्हें 1913 में एशिया का प्रथम साहित्य नोबेल पुरस्कार प्राप्त हुआ?

उत्तर: रवींद्रनाथ टैगोर

व्याख्या: "गीतांजलि" (Song Offerings) रवींद्रनाथ टैगोर की कालजयी काव्य रचना है जिसका अंग्रेजी अनुवाद टैगोर ने स्वयं किया था। इस रचना के लिए उन्हें 1913 में साहित्य का नोबेल पुरस्कार प्राप्त हुआ, जिससे वे एशिया के प्रथम नोबेल पुरस्कार विजेता बने। "गीतांजलि" में ईश्वर-भक्ति, प्रेम और मानवीय आत्मा की खोज का काव्यमय चित्रण है। टैगोर ने शांतिनिकेतन (पश्चिम बंगाल) में "विश्व भारती विश्वविद्यालय" की स्थापना की जो 1921 में केंद्रीय विश्वविद्यालय बनी। उनके अन्य प्रमुख कृतियों में "घरे बाइरे", "गोरा", "चित्रा" आदि सम्मिलित हैं। उन्होंने 1919 में जलियाँवाला बाग हत्याकांड के विरोध में "सर" की उपाधि वापस की।

संदर्भ: NCERT History Class 8, Ch 7 Women Caste and Reform, p. 89;

प्र.4. "वन हेल्थ" (One Health) अवधारणा क्या है जो जूनोटिक रोगों की रोकथाम में अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है?

उत्तर: मानव-पशु-पर्यावरण स्वास्थ्य एकीकरण

व्याख्या: "वन हेल्थ" (One Health) एक वैश्विक स्वास्थ्य नीति अवधारणा है जो मानती है कि मनुष्यों, पशुओं और पर्यावरण का स्वास्थ्य परस्पर जुड़ा हुआ है। इसलिए किसी भी स्वास्थ्य समस्या — विशेषतः जूनोटिक रोगों — के समाधान के लिए तीनों क्षेत्रों के विशेषज्ञों को एकसाथ कार्य करना होगा। WHO, FAO और UNEP इस अवधारणा के प्रमुख समर्थक हैं। COVID-19 महामारी ने इस अवधारणा की आवश्यकता को वैश्विक स्तर पर सिद्ध किया। भारत में "राष्ट्रीय वन हेल्थ मिशन" के अंतर्गत पशु चिकित्सा, चिकित्सा और पर्यावरण विभाग संयुक्त रूप से कार्य करते हैं। जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई और वन्यजीव संपर्क बढ़ने से नए जूनोटिक रोगों का उभरना एक प्रमुख वैश्विक खतरा है।

संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 8 Human Health and Disease, p. 148–152;

प्र.5. भारत के स्वतंत्रता संग्राम में "लाल-बाल-पाल" की तिकड़ी किन तीन नेताओं को कहा जाता है जो "गरम दल" के प्रमुख नेता थे?

उत्तर: लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक, बिपिन चंद्र पाल

व्याख्या: "लाल-बाल-पाल" भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के "गरम दल" (Extremist faction) के तीन सबसे प्रभावशाली नेताओं का संयुक्त नाम है। लाला लाजपत राय (पंजाब के "शेर-ए-पंजाब"), बाल गंगाधर तिलक (महाराष्ट्र के "लोकमान्य") और बिपिन चंद्र पाल (बंगाल) ने 1905-1907 के स्वदेशी आंदोलन को देशव्यापी आंदोलन का रूप दिया। इन्होंने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध सशक्त विरोध, स्वदेशी उद्योगों को प्रोत्साहन और आत्मनिर्भरता की नीति अपनाई। बाल गंगाधर तिलक ने "स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है" का उद्घोष किया था। 1907 में सूरत अधिवेशन में गरम दल और नरम दल में विभाजन हुआ।

संदर्भ: NCERT History Class 10, Ch 2 Nationalism in India, p. 14–17;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. भारत के पूर्वी तट पर स्थित "चिल्का झील" किस राज्य में है और यह भारत की सबसे बड़ी किस प्रकार की जल-संरचना है?

उत्तर: ओडिशा; खारे पानी की झील (लैगून)

व्याख्या: चिल्का झील ओडिशा राज्य में महानदी डेल्टा के दक्षिण में स्थित भारत की सबसे बड़ी तटीय लैगून (खारे पानी की झील) है। इसका क्षेत्रफल लगभग 1,100 वर्ग किमी है। 1981 में इसे भारत का प्रथम रामसर स्थल घोषित किया गया था। यहाँ इरावदी डॉल्फिन (Irrawaddy Dolphin) पाई जाती है जो अत्यंत दुर्लभ प्रजाति है। प्रतिवर्ष साइबेरिया, मध्य एशिया और यूरोप से लाखों प्रवासी पक्षी यहाँ आते हैं। पीताश्रय द्वीप (Nalabana Island) यहाँ का सबसे प्रसिद्ध पक्षी आश्रय है। चिल्का झील UPSC पर्यावरण एवं भूगोल के प्रश्नों में अत्यंत प्रासंगिक है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9, Ch 3 Drainage, p. 29;

प्र.7. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत सर्वोच्च न्यायालय को संविधान के संरक्षक एवं अभिभावक के रूप में मूल संविधानिक मामलों (Original Jurisdiction) में सुनवाई का अधिकार है?

उत्तर: अनुच्छेद 131

व्याख्या: अनुच्छेद 131 के अंतर्गत सर्वोच्च न्यायालय को "मूल अधिकारिता" (Original Jurisdiction) प्राप्त है जिसके तहत केंद्र-राज्य या राज्य-राज्य के बीच संवैधानिक विवादों को सीधे सर्वोच्च न्यायालय में सुना जाता है। यह किसी निचली अदालत से अपील नहीं होती — इसमें सीधे सर्वोच्च न्यायालय सुनवाई करता है। सर्वोच्च न्यायालय की अपीलीय अधिकारिता अनुच्छेद 132-136 में, परामर्शदायी अधिकारिता अनुच्छेद 143 में तथा रिट अधिकारिता अनुच्छेद 32 में वर्णित है। सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना 28 जनवरी 1950 को हुई थी। इसके मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

संदर्भ: NCERT Political Science Class 11, Indian Constitution at Work, Ch 6 Judiciary, p.

प्र.8. "रेबीज" (Rabies) रोग किस प्रकार के रोगाणु से होता है और यह मानव शरीर के किस तंत्र को मुख्यतः प्रभावित करता है?

उत्तर: वायरस; तंत्रिका तंत्र

व्याख्या: रेबीज एक घातक जूनोटिक रोग है जो "रैबडोवायरस" परिवार के "Lyssavirus" नामक वायरस से होता है। यह मुख्यतः पागल कुत्ते, बिल्ली, चमगादड़ और जंगली जानवरों के काटने से मानव शरीर में प्रवेश करता है। यह वायरस काटे गए स्थान से तंत्रिकाओं (Nerves) के माध्यम से मस्तिष्क तक पहुँचता है और मस्तिष्क की सूजन (Encephalitis) उत्पन्न करता है। रेबीज के लक्षणों में हाइड्रोफोबिया (जल से भय), उत्तेजना और अंततः कोमा सम्मिलित हैं। उपचार न होने पर यह रोग 100% घातक है। काटे जाने के तुरंत बाद "Post Exposure Prophylaxis" (PEP) टीका लगाना जीवन बचाता है।

संदर्भ: NCERT Science Class 8, Ch 2 Microorganisms: Friend and Foe, p. 18–21;

प्र.9. पंजाब और हरियाणा का सुप्रसिद्ध "भाँगड़ा" नृत्य पारंपरिक रूप से किस अवसर पर किया जाता है और यह किस फसल की कटाई से जुड़ा है?

उत्तर: बैसाखी; गेहूँ

व्याख्या: भाँगड़ा पंजाब और हरियाणा का सर्वाधिक प्रसिद्ध लोक नृत्य है जो परंपरागत रूप से "बैसाखी" (वैसाखी) पर्व पर गेहूँ की फसल की कटाई के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। बैसाखी प्रतिवर्ष 13-14 अप्रैल को मनाई जाती है। इसमें पुरुष चमकीले परिधान पहनकर "ढोल" की तेज़ थाप पर उत्साहपूर्ण समूह नृत्य करते हैं। महिलाओं द्वारा किया जाने वाला इसी प्रकार का नृत्य "गिद्दा" कहलाता है। बैसाखी का सिख धर्म में विशेष महत्व है क्योंकि 1699 में गुरु गोविंद सिंह ने इसी दिन "खालसा पंथ" की स्थापना की थी। भाँगड़ा आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय है।

संदर्भ: NCERT Social Science Class 7, Cultural Diversity of India; Sangeet Natak Akademi Folk Dances of India;

प्र.10. बिहार के किस जिले में अवस्थित "केसरिया बौद्ध स्तूप" को विश्व का सबसे ऊँचा बौद्ध स्तूप माना जाता है?

उत्तर: पूर्वी चंपारण

व्याख्या: केसरिया बौद्ध स्तूप बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के केसरिया नगर में स्थित है। यह लगभग 104 फीट (31.7 मीटर) ऊँचा है और इसे विश्व का सबसे ऊँचा तथा सबसे बड़ा बौद्ध स्तूप माना जाता है। इसकी खोज का श्रेय ब्रिटिश पुरातत्वविद् कर्नल मैकेंज़ी को दिया जाता है। यह स्तूप गुप्त काल (4th-6th शताब्दी) का माना जाता है। बौद्ध अनुश्रुति के अनुसार यहाँ भगवान बुद्ध ने अपने अंतिम भ्रमण के दौरान विश्राम किया था। पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) जिला गाँधी जी के 1917 के चंपारण सत्याग्रह एवं इस ऐतिहासिक स्तूप दोनों के लिए विख्यात है — यह इस क्षेत्र की गौरवशाली विरासत का प्रतीक है।

संदर्भ: ASI (Archaeological Survey of India) Official Records — Kesaria Stupa; Bihar Tourism Portal; NCERT History Class 6, Ch 7 New Questions and Ideas, p. 84

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के जुलाई माह के बाढ़ सुरक्षा मॉड्यूल के अनुसार, बाढ़ के दौरान यदि कोई बच्चा अकस्मात बाढ़ के पानी में बह जाए, तो आसपास के व्यक्तियों को तत्काल क्या करना चाहिए?

उत्तर: रस्सी/पट्टा फेंकें, स्वयं न कूदें

व्याख्या: BSDMA के बाढ़ सुरक्षा मॉड्यूल (जुलाई W3) के अनुसार, बाढ़ के बहते जल में किसी को बचाने के लिए स्वयं कूदना अत्यंत खतरनाक है क्योंकि बाढ़ का तेज़ बहाव बचाने वाले को भी बहा सकता है। सही प्रक्रिया है: (1) तुरंत "रस्सी, चादर, पट्टा या लकड़ी" जैसी वस्तु फेंकें जिसे व्यक्ति पकड़ सके, (2) जोर से आवाज़ लगाकर सहायता बुलाएँ, (3) स्थानीय नाविक या NDRF/SDRF को तुरंत सूचित करें, (4) भूसे की गठरी, खाली बर्तन या जलरोधक वस्तुएँ तैरने में सहायक हो सकती हैं। बच्चों को यह प्रशिक्षण देना आवश्यक है कि "जल में न कूदना" भी एक जीवन-रक्षक निर्णय है।

संदर्भ: BSDMA Flood Safety Module, Vidyalaya Suraksha Karyakram July W3; bsdma.org; NDRF Rescue Guidelines; Bihar Flood Disaster Management SOP 2025.

प्र.12. एक कक्षा में लड़कियों की संख्या लड़कों से 8 अधिक है। यदि कक्षा में कुल 44 छात्र हैं, तो लड़कियों और लड़कों की संख्या क्रमशः कितनी है?

उत्तर: 26 लड़कियाँ, 18 लड़के

व्याख्या: माना लड़कों की संख्या = x, तो लड़कियों की संख्या = x + 8। समीकरण: x + (x + 8) = 44 → 2x + 8 = 44 → 2x = 36 → x = 18। अत: लड़कों की संख्या = 18 और लड़कियों की संख्या = 18 + 8 = 26। सत्यापन: 18 + 26 = 44 ✓ और 26 − 18 = 8 ✓। यह "एक चर वाले रैखिक समीकरण" (Linear Equation in One Variable) पर आधारित एक मानक प्रश्न है जो BPSC, SSC, Railway एवं प्रारंभिक प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रायः पूछा जाता है। बच्चों को समीकरण बनाने और हल करने का यह तरीका गणितीय तर्क-शक्ति विकसित करता है।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 7, Ch 4 Simple Equations, p. 75–82;

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

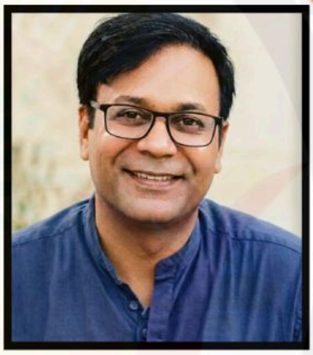

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Audacious (ऑडेशस) = Bold (बोल्ड) = साहसी / निडर
Antonym – Timid (टिमिड) = डरपोक

Belligerent (बेलिजरेंट) = Aggressive (एग्रेसिव) = लड़ाकू / झगड़ालू
Antonym – Peaceable (पीसेबल) = शांतिप्रिय

Cumbersome (कम्बरसम) = Unwieldy (अनवील्डी) = बोझिल / असुविधाजनक
Antonym – Handy (हैंडी) = सुविधाजनक / उपयोगी

Dormant (डॉर्मन्ट) = Inactive (इनएक्टिव) = निष्क्रिय / सुप्त
Antonym – Active (एक्टिव) = सक्रिय

Exonerate (इग्ज़ॉनरेट) = Absolve (एब्सॉल्व) = दोषमुक्त करना / बरी करना
Antonym – Accuse (अक्यूज़) = आरोप लगाना

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

1. Govt Issues 10-Point Clarification Defending E20 Ethanol Blending Programme Against Social Media Misinformation

हिन्दी अनुवाद: सरकार ने E20 एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम पर सोशल मीडिया की अफवाहों का 10-सूत्रीय खंडन किया; वैज्ञानिक प्रमाणों का हवाला दिया।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने E20 कार्यक्रम — जिसमें पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिलाया जाता है — के बारे में फैल रही भ्रामक जानकारी का विस्तृत खंडन किया। (Press Information Bureau) मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि एथेनॉल प्लांट प्रति लीटर एथेनॉल में केवल 3-5 लीटर पानी का उपयोग करते हैं (न कि 10,000 लीटर जैसा प्रचारित किया जा रहा था)। अप्रैल 2026 में MoRTH ने E85 और E100 फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों को मान्यता देने का प्रारूप अधिसूचना जारी की, जबकि जून 2026 में E85 ईंधन की बिक्री ~48 पेट्रोल पंपों पर शुरू हो चुकी है। (Free Press Journal) कार्यक्रम ने अब तक ~₹1.59 लाख करोड़ की विदेशी मुद्रा बचाई है।

2. India to Host BRICS Heads of Anti-Drug Agencies Meeting in Guwahati on July 6-7; NCB to Chair Session

हिन्दी अनुवाद: भारत 6-7 जुलाई को गुवाहाटी में BRICS देशों की नशा-रोधी एजेंसियों के प्रमुखों की बैठक की मेज़बानी करेगा; NCB करेगी अध्यक्षता।

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) के तत्वावधान में 6-7 जुलाई को गुवाहाटी में BRICS देशों की नशा-रोधी एजेंसियों के प्रमुखों की बैठक आयोजित होगी, जिसका उद्देश्य वैश्विक मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ संस्थागत सहयोग को मज़बूत करना है। (DD News) इस बैठक में सिंथेटिक ड्रग्स, डार्कनेट-आधारित तस्करी, New Psychoactive Substances और क्रिप्टोकरेंसी आधारित वित्तीय लेनदेन जैसी नई चुनौतियों पर छह विषयगत सत्रों में विचार होगा। भारत 2026 में BRICS की अध्यक्षता कर रहा है — थीम है "Building for Resilience, Innovation, Cooperation and Sustainability।"

3. PM Modi Pays Tribute to Ram Vilas Paswan on His 80th Birth Anniversary; Bihar Celebrates the Dalit Icon

हिन्दी अनुवाद: प्रधानमंत्री मोदी ने राम विलास पासवान की 80वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी; बिहार में दलित नेता को भावभीनी याद।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने X पर पूर्व केंद्रीय मंत्री राम विलास पासवान की जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए लिखा — "उन्होंने समाज के वंचित और कमजोर वर्गों के उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दिया।" (Globalgovernancenews) बिहार के खगड़िया में 5 जुलाई 1946 को जन्मे पासवान LJP के संस्थापक, 9 बार लोकसभा और 2 बार राज्यसभा सदस्य रहे। पटना में LJP (राम विलास) के राज्य कार्यालय में विशेष श्रद्धांजलि समारोह आयोजित हुआ।

INTERNATIONAL NEWS

1. Millions Flood Tehran for Khamenei's Funeral; "Death to America" Chants Reverberate as US Pauses Iran Talks

हिन्दी अनुवाद: खामेनेई के अंतिम संस्कार में तेहरान में लाखों लोग उमड़े; "अमेरिका मुर्दाबाद" के नारे; अमेरिका ने शांति वार्ता रोकी।

लाखों लोगों ने ईरान के स्वर्गीय सर्वोच्च नेता अली खामेनेई और उनके परिवार के चार सदस्यों के अंतिम संस्कार में हिस्सा लिया, जो 28 फरवरी 2026 को अमेरिका-इज़राइल हवाई हमले में मारे गए थे। (News on Air) तेहरान मेट्रो में शनिवार को 60 लाख से अधिक यात्री सफर कर चुके थे। (Al Jazeera) अंतिम संस्कार में "बदला लो, बदला लो" और "अमेरिका मुर्दाबाद" के नारे गूँजे। अमेरिका ने ईरान के साथ परमाणु वार्ता खामेनेई की अंतिम संस्कार अवधि के दौरान अस्थायी रूप से रोक दी है। (SUBKUZ) भारत ने भी प्रतिनिधिमंडल भेजा है।

2. America Celebrates 250th Independence Day; Trump Addresses Nation Amid Iran Tensions

हिन्दी अनुवाद: अमेरिका ने 250वीं स्वतंत्रता वर्षगाँठ मनाई; ट्रम्प ने राष्ट्र को संबोधित किया — ईरान के साथ तनाव के बीच जश्न।

वाशिंगटन में America@250 समारोह में 10 स्थानों से 8.5 लाख आतिशबाजी का गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की कोशिश की गई; राष्ट्रपति ट्रम्प ने 40 मिनट के आतिशबाजी शो से पहले भाषण दिया। (CNN) इस उत्सव का माहौल ईरान में खामेनेई के अंतिम संस्कार के दृश्यों के बिल्कुल विपरीत रहा — जहाँ भीड़ "अमेरिका मुर्दाबाद" के नारे लगा रही थी।

3. Venezuela Earthquake: Death Toll Nears 2,800; NDRF Teams From India Continue Relief Work

हिन्दी अनुवाद: वेनेज़ुएला भूकंप: मृतक संख्या 2,800 के पास; भारतीय NDRF टीमें 'ऑपरेशन अमिस्ताद' के तहत राहत कार्य में जुटीं।

वेनेज़ुएला भूकंप में मृतकों की संख्या 2,800 के करीब पहुँच रही है और लगभग 50,000 लोग अब भी लापता हैं। ऐसे में 8 दिन बाद मलबे से एक व्यक्ति को जीवित निकालना राहत अभियान की एक दुर्लभ सफलता के रूप में देखा गया। (CNN) भारत के 'ऑपरेशन अमिस्ताद' के तहत चिकित्सा दल और राहत सामग्री वहाँ पहुँच रही है जिसकी स्थानीय लोगों ने सराहना की है। अंतरराष्ट्रीय बचाव दल मलबे की खोजबीन जारी रखे हुए हैं।

BIHAR NEWS

1. Flood Alert in Bihar: Gandak, Kosi, Bagmati Above Danger Mark; West & East Champaran, Sitama
Hit
हिन्दी अनुवाद: बिहार में बाढ़ चेतावनी: गंडक, कोसी, बागमती खतरे के निशान से ऊपर; पश्चिम-पूर्वी चम्पारण और सीतामढ़ी में सबसे बुरे हालात।
नेपाल की तराई और उत्तर बिहार में लगातार भारी वर्षा के कारण कोसी और महानंदा सहित प्रमुख नदियाँ उफान पर हैं। पश्चिम चम्पारण और पूर्वी चम्पारण के कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। (The Leaflet) सुपौल में कोसी के बिरपुर बैराज के सभी 56 गेट खोले गए; 5.33 लाख क्यूसेक — इस वर्ष की सर्वाधिक निकासी। सीतामढ़ी में बागमती और शेखर नदियाँ खतरे के निशान से ऊपर; NH के कुछ हिस्से जलमग्न। बागहा-बेतिया क्षेत्र के निवासी ऊँचे स्थानों पर जाने की अपील।

2. Ram Vilas Paswan Birth Anniversary: Grand Tribute Programme at LJP (RV) State Office Patna; Bihar Politics Abuzz
हिन्दी अनुवाद: राम विलास पासवान जयंती: पटना में LJP (राम विलास) के राज्य कार्यालय में भव्य श्रद्धांजलि समारोह; बिहार की राजनीति में हलचल।
LJP (राम विलास) के युवा जिला कार्यकारी अध्यक्ष उत्सव सेठ ने बताया कि गया जिले से 35-40 कार्यकर्ता पटना में आयोजित जयंती समारोह में शामिल होने पहुँचे। बिहार में विभिन्न स्थानों पर बैनर-पोस्टर लगाए गए और श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए गए। (Globalgovernancenews) राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि बांकीपुर उपचुनाव से पहले यह जयंती बिहार की राजनीति में दलित और वंचित वर्गों की भागीदारी को नई ऊर्जा देगी।

SPORTS NEWS

1. FIFA WC Round of 16: Morocco Thrash Canada 3-0; Mbappe Penalty Seals France's 1-0 Win Over Paraguay
हिन्दी अनुवाद: FIFA विश्व कप Round of 16: मोरक्को ने कनाडा को 3-0 से रौंदा; एम्बापे की पेनल्टी से फ्रांस ने पैराग्वे को 1-0 से हराया।
4 जुलाई को मोरक्को ने सह-मेज़बान कनाडा को Round of 16 में 3-0 से हराया; पहला गोल अज़्ज़ेदीन ओनाही ने दूसरे हाफ में किया और उन्होंने ही दूसरा भी दागा, जबकि सोफियान रहीमी ने अंतिम गोल किया। उसी दिन फ्रांस ने पैराग्वे को 1-0 से हराया — किलियन एम्बापे ने दूसरे हाफ में पेनल्टी गोल किया। (Olympics) एम्बापे के अब इस टूर्नामेंट में 7 गोल हो गए हैं और वे गोल्डन बूट की दौड़ में मेसी के बराबर पहुँच गए हैं।

1. FIFA WC Round of 16: Morocco Thrash Canada 3-0; Mbappe Penalty Seals France's 1-0 Win Over Paraguay
हिन्दी अनुवाद: FIFA विश्व कप Round of 16: मोरक्को ने कनाडा को 3-0 से रौंदा; एम्बापे की पेनल्टी से फ्रांस ने पैराग्वे को 1-0 से हराया।
4 जुलाई को मोरक्को ने सह-मेज़बान कनाडा को Round of 16 में 3-0 से हराया; पहला गोल अज़्ज़ेदीन ओनाही ने दूसरे हाफ में किया और उन्होंने ही दूसरा भी दागा, जबकि सोफियान रहीमी ने अंतिम गोल किया। उसी दिन फ्रांस ने पैराग्वे को 1-0 से हराया — किलियन एम्बापे ने दूसरे हाफ में पेनल्टी गोल किया। (Olympics) एम्बापे के अब इस टूर्नामेंट में 7 गोल हो गए हैं और वे गोल्डन बूट की दौड़ में मेसी के बराबर पहुँच गए हैं।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

✍️ संदेश:

"समाचार केवल घटनाओं का विवरण नहीं, बल्कि भविष्य की तैयारियों का आधार हैं।

प्रतिदिन पढ़ें, निरंतर अपडेट रहें।"

प्रेरक प्रसंग

"संघर्ष का महत्व"

बरसात के बाद की एक सुहानी सुबह थी। विद्यालय के पीछे बने छोटे-से उद्यान में विज्ञान की कक्षा चल रही थी। मोहन सर बच्चों को प्रकृति के अद्भुत रहस्यों से परिचित करा रहे थे।
अचानक सुनैना की नज़र एक पत्ते से लटकते तितली के कोए (क्राइसैलिस) पर पड़ी।
"सर, इसमें कुछ हिल रहा है!" उसने उत्साहित होकर कहा।
मोहन सर मुस्कुराए, "ध्यान से देखो बच्चों, आज प्रकृति तुम्हें जीवन का एक बहुत बड़ा पाठ पढ़ाने वाली है।"
सभी बच्चे उत्सुकता से उस कोए को देखने लगे।
कुछ ही देर बाद एक तितली उस कोए से बाहर निकलने का प्रयास करने लगी। वह बार-बार छटपटाती, रुक जाती, फिर पूरी ताकत से दोबारा कोशिश करती।
रोहन से उसकी तकलीफ़ देखी नहीं गई।
"सर, यह तो बहुत परेशान हो रही है। क्या मैं इसकी मदद कर दूँ?"
मोहन सर कुछ कहते, उससे पहले ही रोहन ने अपनी छोटी कैंची से कोए का एक हिस्सा सावधानी से काट दिया।
तितली तुरंत बाहर तो आ गई, लेकिन उसके पंख सिकुड़े हुए थे। उसने उड़ने की बहुत कोशिश की, पर वह ज़मीन से ऊपर नहीं उठ सकी।
बच्चे हैरान रह गए।
मोहन सर ने शांत स्वर में कहा, "प्रकृति ने यह संघर्ष व्यर्थ नहीं बनाया है। जब तितली अपने बल पर कोए से बाहर निकलती है, तभी उसके शरीर का द्रव पंखों तक पहुँचता है और वे उड़ने योग्य बनते हैं। यदि हम उसका संघर्ष छीन लेते हैं, तो उसकी उड़ान भी छीन लेते हैं।"
कुछ पल के लिए पूरा बगीचा शांत हो गया।
फिर मोहन सर बोले, "बच्चों, यही बात हमारे जीवन पर भी लागू होती है। पढ़ाई की मेहनत, अभ्यास, असफलता और चुनौतियाँ हमें कमजोर नहीं, बल्कि मजबूत बनाती हैं। यदि हर कठिनाई कोई दूसरा दूर कर दे, तो हम कभी आत्मनिर्भर नहीं बन पाएँगे।"
उस दिन बच्चों ने केवल एक तितली नहीं देखी, बल्कि जीवन का एक अमूल्य सत्य सीखा।
संदेश : संघर्ष जीवन का शत्रु नहीं, सबसे बड़ा शिक्षक है। जिस कठिनाई से हम भागते हैं, वही कठिनाई हमें मजबूत, आत्मविश्वासी और सफल बनाती है।
"संघर्ष से मत घबराइए, क्योंकि बिना संघर्ष के पंख तो मिल सकते हैं, पर उड़ान नहीं।"

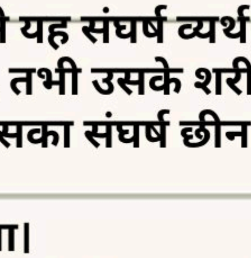

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

कक्षा प्रबंधन की कला — बिना चिल्लाए, बिना डराए अनुशासन कैसे हो ?

शिक्षक साथियों, अक्सर जब हम 'अनुशासन' शब्द सुनते हैं, तो हमारे दिमाग में एक ऐसी कक्षा की छवि आती है जहाँ सभी बच्चे एकदम शांत, सीधे बैठे हों और शिक्षक की एक डांट पर सन्नाटा छा जाता हो। लेकिन बाल मनोविज्ञान और आधुनिक शिक्षाशास्त्र कहता है कि यह 'अनुशासन' नहीं, बल्कि 'डर' है। और डर के साए में कभी भी वास्तविक सीखना (Learning) नहीं हो सकता। एक कुशल शिक्षक के रूप में, कक्षा प्रबंधन (Classroom Management) का अर्थ बच्चों को चुप कराना नहीं है, बल्कि एक ऐसा सकारात्मक वातावरण बनाना है जहाँ बच्चे खुद अपनी जिम्मेदारी समझें और व्यवस्थित रहकर गतिविधियों में भाग लें।

जब शिक्षक कक्षा में चिल्लाता है, तो वह अनजाने में बच्चों को यह संदेश दे रहा होता है कि अपनी बात मनवाने के लिए चिल्लाना जरूरी है। कक्षा प्रबंधन की असली कला 'गैर-शाब्दिक संकेतों' (Non-verbal cues), निश्चित दिनचर्या (Routines) और सकारात्मक सुदृढ़ीकरण (Positive Reinforcement) में छिपी है। जब कक्षा में हर बच्चे को पता होता है कि उसे कब, क्या और कैसे करना है, तो अनुशासनहीनता के अवसर अपने आप कम हो जाते हैं।

उदाहरण:

आइए इसे एक बहुत ही आम और व्यावहारिक स्थिति से समझते हैं। मध्याह्न भोजन (Mid-day Meal) के ठीक बाद जब बच्चे कक्षा में वापस आते हैं, तो बहुत शोरगुल होता है, वे आपस में बात कर रहे होते हैं या खेल रहे होते हैं।

- पारंपरिक तरीका: शिक्षक कक्षा में प्रवेश करते ही जोर से चिल्लाता है— "सब शांत बैठो! शोर मत करो! नहीं तो बाहर निकाल दूँगा!" शिक्षक के बार-बार चिल्लाने से थोड़ी देर के लिए शांति तो होती है, लेकिन बच्चों का मूड पढ़ने का नहीं रह जाता।
- सकारात्मक प्रबंधन तकनीक (नया तरीका): शिक्षक चिल्लाने के बजाय कक्षा के दरवाजे पर खड़े होकर एक निश्चित ताली का पैटर्न (जैसे— तीन बार तेज ताली) बजाता है। बच्चों को पहले से सिखाया गया है कि जब सर यह ताली बजाएंगे, तो उन्हें भी पलटकर वैसी ही ताली बजानी है और सीधे अपनी जगह पर बैठना है। शिक्षक ताली बजाता है, अग्रिम पंक्ति के बच्चे उसे देखकर वैसी ही ताली बजाते हैं। उन्हें देखकर पूरी कक्षा 10 सेकंड के भीतर बिना एक भी शब्द बोले अपनी-अपनी सीट पर हंसते हुए बैठ जाती है। इसके बाद शिक्षक कहता है— "कल जिन्होंने अपना गृहकार्य सबसे सुंदर किया था, आज पूरी कक्षा उनके लिए तीन तालियां बजाएगी।"

यहाँ शिक्षक ने न तो अपनी ऊर्जा गँवाई, न ही बच्चों को डराया। एक साधारण 'एक्शन-रिएक्शन' (Action-Reaction) खेल के माध्यम से कक्षा को नियंत्रण में ले लिया और सकारात्मक प्रोत्साहन देकर पढ़ने का माहौल तैयार कर दिया।

शिक्षक साथियों, प्रभावी कक्षा प्रबंधन के लिए तीन सुनहरे नियम हमेशा याद रखें:

1. नियमों का निर्माण बच्चों के साथ मिलकर करें: सत्र के पहले दिन बच्चों से ही पूछें कि "कक्षा को अच्छा चलाने के लिए हमें क्या करना चाहिए?" जब बच्चे खुद नियम बनाते हैं (जैसे- अपनी बारी का इंतजार करना, कचरा डस्टबिन में डालना), तो वे उन्हें खुशी-खुशी मानते हैं।
2. सक्रिय व्यस्तता (Active Engagement): अनुशासनहीनता तभी होती है जब बच्चे खाली बैठे हों। यदि आपका पाठ रोचक है और हर बच्चे के हाथ में कोई न कोई काम है, तो उनके पास शोर मचाने का समय ही नहीं होगा।
3. समानता और सम्मान: जो बच्चा सबसे ज्यादा अशांत रहता है, उसे कोई जिम्मेदारी दे दीजिए (जैसे- कॉपी बांटना या ब्लैकबोर्ड साफ करना)। आप देखेंगे कि जिम्मेदारी मिलते ही उसका व्यवहार बदलने लगेगा।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि कक्षा प्रबंधन का उद्देश्य बच्चों को 'नियंत्रित' करना नहीं, बल्कि उन्हें 'व्यस्त' करना है। जब हमारी कक्षा में डर की जगह सम्मान और नियमबद्धता लेती है, तो अनुशासन स्वतः स्थापित हो जाता है। आज चिंतन कीजिएगा कि कल जब आपकी कक्षा में शोर होगा, तो आप चिल्लाएंगे या किसी मज़ेदार संकेत का उपयोग करेंगे?

.................✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01

सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

---

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण–ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण● बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों मे बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो ● जागरण

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अनुभाग-8

"बिहार दर्शन : समस्तीपुर, अंक–2"

कर्नाट वंश की ऐतिहासिक कड़ियाँ, पूसा का वैज्ञानिक गौरव और मेधा के शीर्ष हस्ताक्षर

'संपादकीय' ✍️

समस्तीपुर का इतिहास प्राचीन मिथिला के गौरवशाली कर्नाट और ओइनीवार राजाओं के शासनकाल से अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है। ऐतिहासिक रूप से यह क्षेत्र सदियों तक तिरहुत का एक प्रमुख प्रशासनिक और सांस्कृतिक केंद्र रहा। जिले के दक्षिणी भाग में स्थित नरहन राज की ऐतिहासिक रियासत यहाँ के मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास का एक ऐसा मज़बूत स्तंभ रही है, जिसने न केवल कला और संस्कृति को संरक्षण दिया, बल्कि जल-प्रबंधन के लिए कई ऐतिहासिक पोखरों का निर्माण भी कराया। यहाँ के स्थानीय गाँवों में मिलने वाले पुरातात्विक साक्ष्य और प्राचीन मंदिरों के भग्नावशेष यह प्रमाणित करते हैं कि यह भूमि वैचारिक और राजनैतिक रूप से हमेशा से अत्यंत जागरूक और प्रगतिशील रही है, जिसने समस्तीपुर के समाज को एक तार्किक और जुझारू चरित्र प्रदान किया।

इस जिले के इतिहास का सबसे चमकदार और वैश्विक अध्याय पूसा (डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय) का ऐतिहासिक विकास है। सन 1905 में अमेरिकी परोपकारी हेनरी फिप्स के आर्थिक सहयोग और वॉयसराय लॉर्ड कर्जन के प्रयासों से यहाँ 'इंपीरियल एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट' (IARI) की नींव रखी गई थी। यद्यपि 1934 के विनाशकारी बिहार भूकंप के बाद इस मुख्य संस्थान को दिल्ली स्थानांतरित कर दिया गया (जो आज पूसा इंस्टीट्यूट, दिल्ली के नाम से प्रसिद्ध है), परंतु समस्तीपुर का पूसा परिसर भारत में 'हरित क्रांति' (Green Revolution) का पालना बना रहा। यह वह ऐतिहासिक भूमि है जहाँ कृषि अनुसंधान और उन्नत बीजों के विकास के माध्यम से देश को खाद्यान्न संकट से उबारने की वैज्ञानिक रणनीति तैयार की गई थी, जिसने वैश्विक स्तर पर भारतीय कृषि मेधा का लोहा मनवाया।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में समस्तीपुर की क्रांतिकारी चेतना हमेशा अग्रिम पंक्ति में रही। सन 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान यहाँ के स्वतंत्रता सेनानियों ने ब्रिटिश हुकूमत के संचार तंत्र को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया था। समस्तीपुर रेलवे स्टेशन पर तिरंगा फहराने और रेल पटरियों को उखाड़कर ब्रिटिश सेना की गति रोकने में स्थानीय जन-नायकों ने जिस अदम्य साहस का परिचय दिया, वह आज भी तिरहुत के इतिहास का एक गौरवशाली अध्याय है। इस मिट्टी ने कर्पूरी ठाकुर जैसे महान जन-नायक और स्वतंत्रता सेनानी को जन्म दिया, जिनके नेतृत्व में समाजवादी आंदोलन की नींव मज़बूत हुई। 'जननायक' कर्पूरी ठाकुर के सामाजिक सरोकारों और सादगीपूर्ण जीवन का उद्गम इसी जिले का पितौंझिया (अब कर्पूरी ग्राम) गाँव था, जिसने आधुनिक भारत की राजनीति को सामाजिक न्याय की एक नई दिशा दी।

साहित्य, कला और विचार के क्षेत्र में समस्तीपुर का योगदान अद्वितीय रहा है। मैथिली और हिंदी साहित्य के अप्रतिम विद्वान, उपन्यासकार और प्रखर समीक्षक उपन्यासकार केदारनाथ लाभ और कई समकालीन कवियों की कर्मभूमि यह जिला रहा है, जिन्होंने ग्रामीण संवेदनाओं और किसानों के संघर्ष को अपनी लेखनी का मुख्य विषय बनाया। यहाँ की लोक-कलाओं में 'मिथिला पेंटिंग' के स्थानीय प्रारूप और 'जट-जटिन' व 'सामा-चकेवा' जैसे लोक-नाट्य आज भी अपनी पूरी मौलिकता के साथ जीवित हैं। समकालीन समय में भी इस जिले ने कला, रंगमंच, चिकित्सा, न्यायपालिका और देश की सर्वोच्च प्रशासनिक सेवाओं (UPSC) में कई ऐसे शीर्ष नेतृत्व दिए हैं, जिन्होंने अपनी बौद्धिक क्षमता और अटूट कर्मठता से समस्तीपुर की मेधा को गौरवान्वित किया है।

अंततः, समस्तीपुर का यह दूसरा ऐतिहासिक अंक यह स्पष्ट करता है कि यहाँ के समाज में राष्ट्रप्रेम, सामाजिक न्याय की चेतना और वैज्ञानिक सोच का एक बेजोड़ समन्वय है। पूसा के कृषि वैज्ञानिकों की मेधा हो, जननायक कर्पूरी ठाकुर का सादगीपूर्ण राजनीतिक विज़न हो या यहाँ के स्वतंत्रता सेनानियों का अद्वितीय बलिदान—ये सभी तत्व मिलकर समस्तीपुर को केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र और मेधा का एक अमूल्य ऊर्जा केंद्र बनाते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए इन स्थानीय क्रांतियों, पूसा के कृषि-इतिहास और सामाजिक आंदोलनों का यह सघन व प्रामाणिक अध्ययन बिहार की राजनीतिक और वैचारिक चेतना के विकास को समझने की एक अचूक और व्यावहारिक दृष्टि प्रदान करता है।

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱 **-9939671700**

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org